INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD)
© 2026 IJNRD | Volume 11, Issue 2, February 2026 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

रोजगार की दृष्टि से अनुवाद में भाषा कौशल की उपयोगिता

प्रा. डॉ. बाचकर बाळासाहेब धोंडीराम
कला व वाणिज्य महाविद्यालय, बेलापुर
तहसील – श्रीरामपुर, जिला – अहिल्यानगर, महाराष्ट्र 413715
bbachkar@gmail.com
मो. नं. - 9226281593

प्रस्ताविक :- रोजगार के अवसरों में भाषा कौशल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह संचार, समझ और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मद्द करता हैं।जिससें नौकरी पाने, पदोन्नति और वेतनवृद्धि की संभावना बढती हैं। अच्छी भाषा क्षमता से आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक अवसरों तक पहुंच जाते हैं तकनीकी व शोध आधारित क्षेत्रों में भी सफलता मिलती हैं। जो आज के प्रतिस्पर्धी दौर में आवश्यक है।

बेहतर संचार :- स्पष्ट और धारा प्रवाह बोलना आपको सहकर्मियों ग्राहकों और वरिष्ठ कें साथ प्रभावी ढंगसे संवाद करने में मद्द करता हैं। जिससें गलतफहमी कम होती हैं।

व्यापक अवसर :- द्विभाषी या बहुभाषी होने से आप सिर्फ स्थानीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीयस्तर पर नौकरियां पा सकते है।

आजीविका और व्यवसाय में उन्नति :- अच्छी क्षमता आपको साक्षात्कार मे सफल होने, पदोन्नति पाने और वेतनवृद्धि हासिल करने में मद्द करती हैं,क्योंकि यह आपकी सीखने और समझने कि क्षमता को दर्शाती हैं।अनेक क्षेत्रों मे भाषा कोशल कि सहायता ली जाती है।

शोध और शिक्षा :- भाषाविज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भाषा कौशल बेहद जरूरी हैं। जिससे आपको छात्रवृति और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के अवसर मिल सकते हैं।

मौखिक अनुवाद और भाषा कौशल :- मौखिक अनुवाद में दूरभाष के माध्यम से पर्यटन का क्षेत्र तथा राजनीति का क्षेत्र रोजगार दे सकता है। पर्यटन के क्षेत्र में कोई विदेशी प्रवासी भारत घूमने भाषा और अनुवाद, भाषा कौशल और रोजगार का बड़ा नजदीक और घनिष्ठ संबंध है। अनुवाद के लिए भाषा की जरूरी है, भाषा के बिना अनुवाद असंभव है। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, पर साथही अंतर्राष्ट्रीय भाषा के स्तर पर धीरे-धीरे स्थापित हो रही हैं। आज के वर्तमान स्थिति में वह रोजगार देने की क्षमता रखती है। प्राचीन समय वह भाषा समृद्ध मानी जाती थी, जो व्याकरणीक दृष्टि से समृद्ध हैं। जीनमे ज्ञान की सामग्री हो, प्राचीन काल में शिक्षा का तात्पर्य ज्ञान प्राप्ति था, और आज की शिक्षा में इतनी जगह मिली है। वह मूल भाषा ने अपना रूप बदल लिया है, अनुवादित बनकर रोजगार साहित्य में भारत एकमात्र नोबेल विजेता रविंद्रनाथ ठाकुर इन्होंने पूरे विश्व में पहचान बना ली है। इसका कारण सिर्फ अनुवाद और भाषा कौशल है। अगर गीतांजलि अनुवादित नहीं होती, तो क्या हमें पहचान बना सकती थी। वर्तमान में इस बात पर ध्यान दिया जाता है, कि किस भाषा से रोजगार अधिकाधिक प्राप्त कर सकते हैं। जिसके जरिए हम घर बैठे सरलता से पैसा कमा सकते हैं। इसका उत्तर है, अनुवाद आज पुरा विश्व एक बाजार बन गया हैं। इस बाजारीकरण के कारण-ही एक अच्छे अनुवादक की मॉंग बढथी जा रहीं हैं, इसका मुख्य कारण है भाषा कौशल। चाहे वह साहित्यिक क्षेत्र हो, चाहे वह धार्मिक क्षेत्र हो, चाहे वह सामाजिक क्षेत्र हो, चाहे वह प्रशासनिक क्षेत्र हो या जनसंचार का क्षेत्र हो अनुवाद के लिए दो भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है, इसके लिए भाषा कौशल के पहलू अपनाये।

हिंदी में रोजगार के लिए भाषा कौशल की भूमिका अहम रही है :-

वर्तमान युग या काल रोजगार की समस्या बढ़ती जा रही है। पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता जा रहा हैं, भारत सरकार रोजगार के अवसर बहुत ढूंढ रहे हैं अनेक योजना आ रही हैं, पर उतना रुचि नहीं ले रहा है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया योजना द्वारा इस दिशा प्रयत्न जरूरी हो रहा है। पर वह प्रयत्न के स्तर पर ही है। शोध पत्र में रोजगार के लिए अनुवाद का महत्व मेरा प्रयास यह रहा है। कि अनुवाद रोजगार की संध्या देता है, और हम उस संधि का लाभ जरूर उठाना चाहिए वर्तमान युग में इसकी बहुत जरूरत है। और भाषा कौशल एक ऐसा मार्ग है कि जो रोजगार उपलब्ध कर दे रहा है।

भाषा कौशल और रोजगार :-

भारत एक वह भाषा राष्ट्र है, जिसमें अनेक भाषा बोली जाती है लिखी जाती है पढ़ी जाती है। आधुनिक काल में ज्ञान की जरूरी बहुत है। आज युवकों में पढ़ने की बहुत कमतरता दिखाई देती है। इसलिए अनुवादक की संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है इसमें भाषा कौशल भूमिका निभा रहा हैं। पर वर्तमानयुग ज्ञान विज्ञान का युग है। आज पूरा विश्वची मेरा घर ऐसी स्थिति बन गई है। व्यक्ति को पूरे क्षेत्र की जानकारी रखनी पड़ती है। जिसके पास ज्ञान की सामग्री नहीं है, वह पिछड़ा माना जाता है। तो सवाल यह है कि एक भाषा में व्यक्त विचारोंसे दूसरा व्यक्ति ज्ञान प्राप्त कर सकता है। जिससे वह जानता है, पर विश्व की ऐसी अन्य भाषा है इसका ज्ञान नहीं हो पाता। क्या उसे वह जानना नहीं चाहता, हर भाषाओं में प्रकट ज्ञान की जानकारी नहीं है। ऐसी स्थिति में दूसरी भाषा का निर्माण किस प्रकार किया जाए । इसके लिए अनुवाद से बेहतर कोई साधन नहीं है। अनुवाद ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा विभिन्न भाषा से हम परिचित हो जाते हैं। भाषा से मनुष्य का ज्ञान बढ़ता है। भारत देश की राष्ट्रभाषा हिंदी शीर्ष स्थान पर है। हिंदी राष्ट्रभाषा राजभाषा के पद से विकसित होकर अंतरराष्ट्रीय भाषा का स्वरूप ग्रहण कर रही हैं। वैश्विक फलक पर वह अपनी पहचान बना रही है।

रोजगार अनुवाद के लिए भाषा कौशल :-

वर्तमान दौर में हिंदी सृजनात्मकता से रोजगारान्मुखता हिंदी की ओर तीव्र गति से बढ़ रही है। भाषा अनुवाद रोजगार देने में और अधिक सक्षम भाषा है। उसमें भी अनुवाद का क्षेत्र रोजगार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण साधन भाषा कौशल है।

अनुवाद से रोजगार प्राप्त करने के लिये भाषा कौशल का महत्वपूर्ण आयाम :-

1) पाठानुवाद, 2) माध्यम अनुवाद, 3) मौखिकअनुवाद में भाषा कौशल की भूमिका :-

1) पाठानुवाद :- इसके अंतर्गत पत्रकारिता शिक्षा आकाशवाणी विज्ञापन विधि अनुवाद साहित्य का अनुवाद के जरिए भी रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। उपर्युक्त सेवाओं के क्षेत्रों से इसके अलावा भी ऐसे कई क्षेत्र है । जिसमें अनुवाद की मांग की जा रही है। अनुवाद के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने के लिए पत्रकारिता का खुला मैदान पड़ा हुआ है। आज विभिन्न भाषा में कई समाचार पत्र प्रकाशित होते जा रहे हैं इन समाचार पत्रों और समाचार एजेंसियों को अनुवादक की जरूरत पड़ती है। जो हिंदी का देसी विदेशी तथा प्रादेशिक क्षेत्रों में अच्छा अनुवाद कर सके, भारत में ही नहीं तो विदेशों में भी हिंदी ने धूम मचा दी हैं। विदेशों में हिंदी पत्र, पत्रकारिता को बड़े चाव से पढ़ा जाता हैं। उदाहरण स्वरूप देखा जाए तो नेपाल में प्रतिध्वनि, सही रास्ता, जनचेतना, बार्मा की प्राची, कलश इत्यादि। श्रीलंका की जनता लंकादीप, जापान की सूर्योदय, चीन की चीनसचित्र, रूस की युवा दर्पण, त्रिनिदाद की कोहिनूर, फिजी की शांतिदूत, कनाडा की विश्व भारती पत्रकारिता और उस के माध्यम से रोजगार की संभावना बढ़ रही है । लेकिन शर्त यह है कि अनुवाद करते के लिए अनुवादक का स्रोत और लक्ष्य भाषा प्रयोग पर प्रभुत्व अनिवार्य है। आकाशवाणी और अनुवाद का बड़ा ही घनिष्ट संबंध रहा है । एक साथ भावेश भाषा में अपने कार्यक्रम का प्रसारण करती है । वह आकाशवाणी जैसे एक संगठन के लिए एकभाषा से दूसरी भाषा सामग्री को अनुवाद का आश्रय लेना अनिवार्य क्यो आवश्यक है। सन 1949 में संविधान द्वारा हिंदी को राजभाषा घोषित किए जाने के बाद आकाशवाणी के राष्ट्रीय कार्यक्रम हिंदी भाषा में प्रसारित होते थे और आज भी हो रहे हैं I आकाशवाणी ने पूरे देश में अनुवाद को और

रूपांतरण का एक जाल फैला रखा है रेडियो पर जो समाचार प्रसारित किए जाते हैं । उसको हम तीन भाषा में विभाजित कर सकते हैं एक प्रादेशिक भाषा, राजभाषा, विदेशी भाषा एक बात को अनुदित कर विभिन्न भाषाओं में प्रसारित करते हैं I अनुवादक बहुभाषी होना महत्वपूर्ण है, कम से कम दो भाषाओं का संपूर्ण ज्ञान उसमें होना अनिवार्य है । अनुवाद का क्षेत्र रोजगार प्राप्ति करने के लिए महत्वपूर्ण साधन हैं। आकाशवाणी को देवता की वाणी कहा जाता है। अनुवाद ही अकेले वरदान साबित हो रहा है।

2) भाषा कौशल और विधि साहित्य :- विधि साहित्य में अनुवाद के माध्यम से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। विधि की जानकारी के लिए यह जरूरी है, कि कानूनी भाषा में हो जिसे लोग जानते हैं । जब कानून-कानूनी भाषा में निर्मित किए जाते हैं । जिस देश की अधिकांश जनता समझती ना हो तब कानून को जनता की भाषा में उपलब्ध कराने के लिए अनुवाद का सहारा लिया जाता है । संसद द्वारा पारित होने वाले अधिनियम अध्यादेश नियम आदि मूल रूप से अंग्रेजी में लिखे जाते हैं फिर उनका अनुवाद किया जाता है । अर्थात कोई दस्तावेज अंग्रेजी में लिखा जाता है तो उसका हिंदी संस्कारण और हिंदी में अनुवाद किया जाता हैं। जिन छात्रों ने डिप्लोमा इन हिंदी ट्रांसलेशन का कोर्स किया है, वह विधि साहित्य का अनुवाद करना चाहते हैं। विधि साहित्य का अनुवाद करना इसलिए जरुरी हो गया है, कि विभिन्न विश्वविद्यालयों ने डिप्लोमा इन हिंदी कोर्स शुरू किया है। बहुत से विश्वविद्यालय ने यह ठोस कदम उठाया है, इसलिए डिप्लोमा के कारण युवकों को रोजगार का प्रश्न छूट गया है। यह आपकी भाषा कौशल के कारण संभव हो गया I

3) माध्यम अनुवाद और भाषा कौशल :- माध्यम में अनुवाद के अंतर्गत फिल्मों की डबिंग साहित्य से फिल्म बनाना, साहित्य से नाट्यरूपांतरण करना आदि माध्यमों से ही रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। विविध कार्यक्रमों के निर्माण प्रसारण संचालन व अभिनय के क्षेत्र में आज पहले से ज्यादा अवसर उपलब्ध है। कई हिट फिल्मों का डबिंग डबिंगआर्टिस्ट के माध्यम से किया जा सकता है। प्रोड्यूसर, निर्देशक देश की सीमा को लांगकर विदेश में भी अपनी फिल्म प्रदर्शित करते हैं । वह डबिंग के माध्यम से ही सिद्ध है । टाईटेनिक, अवतार, बाहुबली आदि फिल्म विदेश में धूम मचा रही है । जरूरत यह है कि माध्यम अनुवाद के जितने भी प्रकार है, उसके लिए विधिवत अवसर प्रशिक्षण लेकर नाम और रोजगार दोनों कमाया जा सकता है। टूरिस्ट गाइड जो बहु भाषा बोलता है वह भाषा कौशल के माध्यम से इन चीजों से अवगत हो सकता है। द्विभाषी अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य सभी भाषा जानते हैं तो पर्यटन का क्षेत्र उसके लिए आजीविका का साधन बन सकता है। इसी प्रकार एक देश का राजनीतिक दल किसी दूसरे देश के राजनीतिक दल से किसी मुद्दे पर चर्चा विमर्श करता है । तब दोनों दल के भिन्न-भिन्न भाषा भाषी होते हैं, जो अपने साथ लाए हुए दूसरी भाषियों का सहारा लेते हैं।

निष्कर्ष :- ट्रांसलेशन अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है इसे बढिया बनाने के लिये आज भाषा कौशल का सहारा लिया जाता हैं। इसे बहुत बढीया बनाने के लिए भाषा कौशल महत्वपूर्ण हैं। दुनिया भर में जैसे-जैसे हिंदी भाषा का प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे अनुवादिओं को और द्विभाषी-विदोकी मांग बढ़ती जा रही है वे सभी भाषा और भाषा कौशल का सहायता लेते हैं। कई देश विदेशी मीडिया संस्थान राजनीतिक संस्थाएं पर्यटन से जुड़ी संस्थाएं और बड़े-बड़े होटलों में अनुवादियोको और दुविभाषियों को अच्छी खासी मांग है। आज अनुवाद कार्य और अनुवाद क्षेत्र का प्रचार प्रसार अधिक हो रहा है । यही कारण है कि प्रत्येक देश की सरकार ने अनुवाद की एक स्वतंत्र विभाग की स्थापना की है उसमें भाषा कौशलने अहम भूमिका निभाई हैं।

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली भारतीय अनुवाद परिषद नई दिल्ली ट्रांसलेटर सोसाइटी ऑफ इंडिया कोलकाता विभिन्न विश्वविद्यालयों के अनुवाद विभाग आदि संस्थाएं अनुवाद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं इसके लिए भाषा कौशल का होना अत्यंत जरूरी हैं।

संदर्भसूची :-

1) हिंदी में रोजगार के लिए अनुवाद की भूमिका :- डॉ. राजेंद्र परमार

2) अनुवाद की समस्या :- डॉ. राजीव रंजन प्रसाद

3) अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग :- डॉ.अनिलावी.झाला

4) वैश्वीकरण बाजारवाद और हिंदी भाषा :- डॉ. साधना शर्मा

• **Copyright & License:**
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.